राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–71/2026

राज्यपाल ने ''बिहार एजुकेशन समिट'' में भाग लिया

पटना 03 मई, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने इवेंटजिक मीडिया द्वारा होटल, मौर्या में आयोजित ''बिहार एजुकेशन समिट'' में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार ने उल्लेखनीय प्रगति की है, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में। लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है और विकास के कई महत्वपूर्ण आयाम सामने आए हैं। परंतु बिहार के विकास की कहानी को देश और दुनिया में प्रभावी ढंग से पहुँचाने की जरूरत है। किसी भी समाज की प्रगति तभी सार्थक होती है जब उसकी उपलब्धियाँ व्यापक रूप से साझा की जाएँ।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार की एक विशिष्ट सभ्यतागत विरासत है। पाटलिपुत्र और मगध से ही भारतीय सभ्यता की नींव विकसित हुई। यह समृद्ध इतिहास बिहार को देश के सबसे सशक्त सांस्कृतिक केंद्रों में स्थापित करता है। अब आवश्यकता है कि इस शक्ति को पहचान और प्रतिष्ठा भी मिले।

उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने के लिए बिहार को केवल आर्थिक निवेश ही नहीं, बल्कि बौद्धिक और संस्थागत रुचि को भी आकर्षित करना होगा। बिहार को ऐसे संस्थान विकसित करने चाहिए, जिनके विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व कर सकें। साथ ही, शिक्षा को केवल औपचारिक कक्षा–शिक्षण तक सीमित नहीं रखना चाहिए। प्रौद्योगिकी, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नए अवसर प्रदान करती है, लेकिन बिहार की कला और संस्कृति भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। मधुबनी कला जैसी परंपराएँ अपने आप में एक सशक्त शिक्षा हैं।

उन्होंने कहा कि हमें अनौपचारिक शिक्षा को भी बढ़ावा देना होगा, जैसे सेमिनार, संगोष्ठी और संवाद आदि विचारों के आदान–प्रदान के लिए मंच आवश्यक हैं। जब लोगों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है, तो अद्भुत सोच सामने आती है। इस प्रकार के अवसरों का लोकतंत्रीकरण समाज और शिक्षा दोनों को मजबूत करता है।

अखबार पढ़ने जैसी आदतों को भी बढ़ावा देना चाहिए। दुनिया की जानकारी से जुड़े रहना शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

....